संवाद | जिले के सर्वांगीण विकास के लिए 225 करोड़ रुपये के विकास कार्यों की घोषणा

नक्सल प्रभावित ग्राम बोंदारी में विकास की नई सुबह, मुख्यमंत्री ने ग्रामीणों से किया संवाद

नवभारत, बालाघाट। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज बालाघाट जिले के पूर्व में नक्सल प्रभावित रहे क्षेत्र के ग्राम बोंदारी पहुंचकर ग्रामीणों से संवाद किया। नक्सल प्रभावित रहे इस ग्राम में पहली बार किसी मुख्यमंत्री का आगमन हुआ। मुख्यमंत्री के बोंदारी पहुंचने पर बैगा समुदाय के ग्रामीणों ने आत्मीयता से उनका स्वागत किया। ग्रामीण महिलाओं ने मुख्यमंत्री के माथे पर तिलक लगाकर उन्हें राखी बांधी। मुख्यमंत्री ने ग्रामीणों के स्नेह और अपनत्व के लिए आभार व्यक्त करते हुए उनसे क्षेत्र की समस्याओं और आवश्यकताओं के संबंध में चर्चा की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के अंतर्गत ग्रामीणों से चर्चा के दौरान पशुपालन को बढ़ावा देने, आवास सुविधा, चिकित्सा एवं शिक्षा सुविधाओं, वन विभाग के सहयोग तथा रोजगार और आजीविका के अवसर बढ़ाने जैसे विषयों पर चर्चा की। उन्होंने अधिकारियों को इन सुविधाओं को क्षेत्र में बेहतर ढंग से स्थापित करने तथा शासन की योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र परिवार तक पहुंचाने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बालाघाट जिले के सर्वांगीण विकास के लिए विभिन्न विभागों के माध्यम से 225 करोड़ रुपये के विकास कार्यों की घोषणा की। इन कार्यों के माध्यम से क्षेत्र में सामाजिक एवं मूलभूत अधोसंरचना को मजबूत किया जाएगा। सड़क, बिजली, पेयजल, शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास, कृषि एवं संबद्ध गतिविधियों सहित रोजगार और आजीविका के अवसरों का विस्तार किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पूर्व में नक्सल प्रभावित रहे ग्रामों में विकास कार्यों को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाया जाए। स्थानीय संसाधनों और संभावनाओं का बेहतर उपयोग करते हुए ग्रामीणों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने तथा योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बालाघाट अब नक्सलवाद के खात्मे के बाद विकास की नई दिशा में आगे बढ़ रहा है। सरकार का लक्ष्य है कि क्षेत्र में स्थायी शांति के साथ सामाजिक और आर्थिक विकास को गति मिले तथा प्रत्येक गांव और प्रत्येक परिवार को विकास की मुख्यधारा से जोड़ा जाए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बीमारी से मृत बच्चों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए बताया कि प्रभावित परिवारों को 2.20-2.20 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि संकट की इस घड़ी में प्रदेश सरकार पीड़ित परिवारों के साथ खड़ी है और उन्हें हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रभावित परिवारों एवं ग्रामीणों से स्वस्थ जीवनशैली अपनाने तथा पोषण, स्वच्छता और शिक्षा पर विशेष ध्यान देने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि स्वस्थ और शिक्षित परिवार ही मजबूत समाज की आधारशिला हैं। बच्चों के पोषण एवं शिक्षा पर विशेष ध्यान देने के साथ ही स्वच्छता और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाया जाए।

आजीविका और अधोसंरचना विकास के लिए पायलट प्रोजेक्ट चलाने के निर्देश

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पूर्व में नक्सल प्रभावित रहे क्षेत्रों में आजीविका के अवसरों के विस्तार और अधोसंरचना विकास के लिए पायलट प्रोजेक्ट चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्थानीय संसाधनों और क्षेत्र की जरूरतों के अनुरूप नवाचार आधारित योजनाएं तैयार की जाएं। पशुपालन, कृषि, उद्यानिकी, मत्स्य पालन, वन आधारित आजीविका सहित अन्य रोजगारपरक गतिविधियों को बढ़ावा देकर ग्रामीणों की आय में वृद्धि के प्रयास किए जाएं। पायलट प्रोजेक्ट के सफल परिणामों को अन्य क्षेत्रों में भी लागू किया जाए।

कोस्टी समाज द्वारा धूमधाम से निकाली गई भुजली की शोभायात्रा

कबीर कुटी भवन में समाज के मेघावी छात्र-छात्राओं को किया गया सम्मानित

नवभारत, वारासिवनी। रक्षाबंधन के दूसरे दिन कोस्टी समाज द्वारा भुजली पर्व बड़े ही धूमधाम से मनाया गया।सुबह समाज के युवाओं द्वारा नगर में बाइक रैली निकाली गई।जिसमें भारी संख्या में समाज के युवाओं के साथ महिलाएं भी मौजूद रही।यह बाइक रैली ढ़ोल नगाड़ों के साथ वॉर्ड नंबर 13 स्थित कबीर कुटी भवन से प्रारंभ होकर जैन मोहल्ला,कसारी मोहल्ला,गोलीबार चौक,हैदराबाद मोहल्ला,कुम्हारी मोहल्ला,गांधी चौक,दुर्गा माता मंदिर,नेहरू चौक,बस स्टैंड सहित पूरे नगर का भ्रमण करने के पश्चात कबीर कुटी भवन पहुंची।

भुजली पर्व के एक सप्ताह पूर्व पहले मिट्टी के पात्र में गेहूं बोए जाते है।और रक्षा बंधन के दिन नवविवाहित महिलाएं गीत गाते हुए रिश्तेदारों के निवास भुजली लेने के साथ ही उनका आशिर्वाद लेने जाती है।और रक्षा बंधन के दूसरे दिन नई फसल,अच्छी बारिश और सुख समृद्धि की कामना के साथ समाज की महिलाओं द्वारा शाम को भुजली की शोभायात्रा निकाली गई।यह शोभायात्रा कबीर जी की आरती के पश्चात कबीर कुटी भवन से प्रारंभ होकर गोलीबारी चौक,अम्बेडकर चौक,नेहरू चौक,कटंगी मार्ग,दुर्गा माता मंदिर,होते हुए पुन: आंबेडकर चौक,गोलीबारी चौक, हैदराबाद मोहल्ला होते हुए वॉर्ड 11 स्थित चंदन नदी पहुंची।जहां भुजली का विसर्जन किया गया।भुजली विसर्जन के बाद लोग एक दूसरे को भुजली भेंट करते है।और बड़े बुजुर्गों का आशीर्वाद लेते है। और गले मिलकर आपसी भाई चारा और मित्रता का परिचय देते है।

भुजली विसर्जन के पश्चात कबीर कुटी भवन में समाज के पदाधिकारियों और जनप्रतिनिधियों द्वारा एक दूसरे को भुजली का आदान-प्रदान के बधाई दी गई।जिसके बाद समाज के अध्यक्ष द्वारा सभी अतिथियों का फुल मालाओं से स्वागत कर उनका शाल श्रीफल से सम्मानित किया गया।और समाज के लगभग 20 से अधिक मेघावी छात्र-छात्राओं को शील्ड और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

एक नजर में

प्रभावित ग्रामों में साफ-सफाई से लेकर भोजन एवं पेयजल व्यवस्था की

बालाघाट। प्रभावित ग्रामों में आमजन को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा बीमारी की रोकथाम के लिए जिला प्रशासन द्वारा विभिन्न विभागों के माध्यम से लगातार राहत एवं व्यवस्थागत कार्य किए जा रहे हैं। 29 अगस्त को महिला एवं बाल विकास, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, खाद्य, पशु चिकित्सा तथा जनजातीय कार्य विभाग द्वारा प्रभावित क्षेत्रों में विभिन्न गतिविधियां संचालित की गईं। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा प्रभावित ग्रामों के आंगनबाड़ी केंद्रों में साफ-सफाई कराई गई तथा बच्चों को समय पर भोजन उपलब्ध कराया गया। बैहर विकासखंड के 6 ग्रामों के 20 तथा बिरसा विकासखंड के 16 ग्रामों के 33 आंगनबाड़ी केंद्रों में सफाई कराई गई। बैहर विकासखंड के 20 आंगनबाड़ी केंद्रों में 335 तथा बिरसा के 33 केंद्रों में 778 बच्चों को भोजन प्रदान किया गया। इसके अलावा बैहर में 9 केंद्रों के 65 तथा बिरसा के 33 केंद्रों के 237 महिला एवं बच्चों को घर पहुंचाकर भोजन उपलब्ध कराया गया। बिरसा विकासखंड में आंगनबाड़ी केंद्रों से बच्चों, गर्भवती महिलाओं एवं धात्री महिलाओं को टीएचआर का वितरण भी किया गया।

मेधावी छात्र सम्मान समारोह 1 सितंबर को

नवभारत, मंडला। माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा आयोजित हायर सेकेंडरी बोर्ड परीक्षा में 75 प्रतिशत अथवा उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के लिए प्रतिभाशाली विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत मेधावी छात्र सम्मान समारोह का आयोजन 1 सितंबर को किया जाएगा। राज्य स्तरीय कार्यक्रम दोपहर 3 बजे कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन सेंटर, मिंटो हॉल भोपाल में मुख्यमंत्री के मुख्य आतिथ्य में आयोजित होगा। योजना के तहत पात्र विद्यार्थियों को लैपटॉप क्रय करने के लिए प्रति विद्यार्थी 25 हजार रुपये की राशि बैंक खाते में वन क्लिक के माध्यम से अंतरित की जाएगी। जिला शिक्षा अधिकारी के निर्देशानुसार जिले के सभी शासकीय एवं अशासकीय हाईस्कूल और हायर सेकेंडरी विद्यालयों में कार्यक्रम के सजीव प्रसारण की व्यवस्था की जाएगी। विद्यार्थी मुख्यमंत्री के उद्बोधन का सीधा प्रसारण देख सकेंगे।

कमजोर अवस्था में मिले बाघ शावक का रेस्क्यू, क्वारंटाइन सेंटर में उपचार जारी

नवभारत, बालाघाट। कान्हा टाइगर रिजर्व की मुक्की रेंज अंतर्गत दिनांक 27 अगस्त 2026 को गश्ती के दौरान क्षेत्रीय वन अमले को एक बाघ शावक अकेले एवं अत्यधिक कमजोर शारीरिक अवस्था में विचरण करते हुए दिखाई दिया।

क्षेत्रीय अमले द्वारा इसकी सूचना तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों को दी गई। सूचना प्राप्त होते ही क्षेत्र संचालक एवं उपसंचालक (कोर जोन), कान्हा टाइगर रिजर्व के मार्गदर्शन में त्वरित कार्रवाई करते हुए रेस्क्यू टीम द्वारा बाघ शावक को सुरक्षित रूप से रेस्क्यू किया गया।

रेस्क्यू के उपरांत कान्हा टाइगर रिजर्व के वन्यजीव स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संदीप अग्रवाल द्वारा शावक का प्राथमिक स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। चिकित्सीय परीक्षण के अनुसार, शावक में अत्यधिक शारीरिक कमजोरी पाई गई है। प्रारंभिक तौर पर यह स्थिति संभवत: कई दिनों से पर्याप्त आहार/शिकार उपलब्ध न होने के कारण उत्पन्न हुई कमजोरी से संबंधित प्रतीत होती है।

शावक की स्वास्थ्य स्थिति को दृष्टिगत रखते हुए उसे तत्काल उचित चिकित्सकीय देखभाल एवं निगरानी हेतु मुक्की स्थित क्वारंटाइन सेंटर लाया गया है। वर्तमान में वन्यजीव चिकित्सक की देखरेख में शावक का उपचार एवं सतत स्वास्थ्य परीक्षण किया जा रहा है।

वन विभाग द्वारा शावक के स्वास्थ्य की लगातार निगरानी की जा रही है तथा उसके स्वास्थ्य में सुधार के आधार पर आगामी आवश्यक कार्रवाई निर्धारित की जाएगी।

एक शिक्षक के भरोसे पांच कक्षाओं के 32 बच्चों का भविष्य, ऊपर से BLO की ड्यूटी!

जर्जर भवन और अव्यवस्थाओं से पालकों में आक्रोश, अतिरिक्त शिक्षक की मांग, मांग पूरी नहीं हुई तो तालाबंदी और चक्काजाम की चेतावनी

नवभारत, खैरलांजी। विकासखंड खैरलांजी के प्राथमिक शाला मंदिरटोला किन्ही में शिक्षा व्यवस्था की स्थिति जिला प्रशासन और शिक्षा विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर रही है। कक्षा पहली से पांचवीं तक संचालित इस विद्यालय में कुल 32 बच्चे अध्ययनरत हैं, लेकिन पांचों कक्षाओं की जिम्मेदारी वर्तमान में महज एक शिक्षक के भरोसे है। इतना ही नहीं, इसी शिक्षक को गांव के बीएलओ का अतिरिक्त प्रभार भी सौंपा गया है। ऐसे में शिक्षक के सामने बच्चों को पढ़ाने के साथ मतदाता सूची से संबंधित शासकीय कार्य करने की दोहरी जिम्मेदारी है।

29 अगस्त की दोपहर करीब 12 बजे पालक विद्यालय पहुंचे और स्कूल की व्यवस्थाओं को लेकर नाराजगी जताई। पालकों ने कहा कि एक शिक्षक के भरोसे पांच कक्षाओं का संचालन करना बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ है। शिक्षक को बीएलओ की जिम्मेदारी मिलने के बाद स्थिति और गंभीर हो गई है। यदि शिक्षक शासकीय कार्य से स्कूल से बाहर जाते हैं तो बच्चों की जिम्मेदारी रसोइया के भरोसे छोड़ने की स्थिति बनती है। पालकों ने सवाल उठाया कि क्या रसोइया बच्चों की शैक्षणिक जिम्मेदारी संभाल सकता है?

विद्यालय में कक्षा पहली में 7, दूसरी में 8, तीसरी में 1, चौथी में 10 और पांचवीं में 10 बच्चे दर्ज हैं। कुल 32 बच्चों के लिए दो शिक्षकों के पदस्थ होने की जानकारी है, लेकिन एक महिला शिक्षिका पिछले करीब दो माह से मातृत्व अवकाश पर हैं। इसके चलते प्रधानपाठक डुलीचंद बिसेन अकेले ही पांचों कक्षाओं का संचालन कर रहे हैं।

सड़क किनारे खड़ी बहनों और बच्चों को देखकर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रुकवाई गाड़ी, राखी बंधवाकर किया आत्मीय संवाद

नवभारत, बालाघाट। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का 29 अगस्त को बालाघाट जिले के नक्सल प्रभावित रहे कोरका-बोंदारी क्षेत्र का दौरा कई आत्मीय और भावुक पलों का साक्षी बना। बीमारी से प्रभावित परिवारों से मुलाकात कर जब मुख्यमंत्री डॉ. यादव वापस लांजी की ओर लौट रहे थे, तभी ग्राम देवरबेली में सड़क किनारे खड़ी बहनों और बच्चों को देखकर उन्होंने अपना काफिला रुकवा दिया।

मुख्यमंत्री के अचानक गाड़ी रुकवाने और ग्रामीणों के बीच पहुंचने से वहां मौजूद लोगों में खुशी की लहर दौड़ गई। डॉ. यादव ग्रामीणों के बीच पहुंचे और बहनों एवं बच्चों से आत्मीयता के साथ मुलाकात कर उनका हालचाल जाना। रक्षाबंधन के अवसर पर जनजाति बहुल गांव की बहनों ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव को राखी बांधी और उन्हें शुभ आशीष दिया। मुख्यमंत्री ने भी बहनों के स्नेह और आशीर्वाद को आत्मीयता से स्वीकार किया।

इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ग्रामीणों से सहज संवाद करते हुए उनकी समस्याएं सुनीं। ग्रामीणों ने गांव और क्षेत्र से जुड़ी अपनी आवश्यकताओं एवं समस्याओं से मुख्यमंत्री को अवगत कराया। मुख्यमंत्री ने ग्रामीणों की बातें गंभीरता से सुनीं और आवश्यक कार्यवाही के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया।

ग्राम देवरबेली के ग्रामीण इस बात से बेहद प्रसन्न और प्रभावित नजर आए कि उनके क्षेत्र में पहली बार किसी मुख्यमंत्री का आगमन हुआ है। मुख्यमंत्री का अचानक उनके बीच पहुंचना ग्रामीणों के लिए किसी सुखद आश्चर्य से कम नहीं था। विशेषकर बहनों और बच्चों में मुख्यमंत्री से मिलने तथा उन्हें राखी बांधने को लेकर खासा उत्साह दिखाई दिया।

पूर्व सांसद कंकर मुंजारे ने मुख्यमंत्री मोहन यादव और स्वास्थ मंत्री पर एक ही महिला से मिलने के लगाए गंभीर आरोप

नवभारत, बालाघाट। मुख्यमंत्री मोहन यादव को भी लिया आड़े हाथ कुंडेकषा जहां पर अस्थायी अस्पताल बना हुआ है वहां पर मरीज से नहीं मिलना इनकी संवेदनशीलता को जाहिर करता है उन्होंने कहा कि ऐसा ही प्रदेश के उपमुख्यमंत्री और स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ल ने भी किया

उन्होंने कहा कि क्या मुख्यमंत्री और स्वास्थ्य मंत्री को संक्रमण लगने का डर है जो की वहां कुंडेकसा में ना मरीज और उनके परिजनों से ना ही मिले ना ही उनका हाल चाल जाना ना ही उनकी बीमारी बारे में कोई जानकारी ली उन्होंने सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी करते हुए कहा कि दूषित जल व अन्य संक्रमण की वजह से हमारे 28 आदिवासी बैगा बच्चे असमय मृत् हो चुके हैं और मुख्यमंत्री है कि एक ही महिला से बात कर रहे हैं जिससे पहले बात उनके स्वास्थ्य मंत्री ने की थी और वह भी इधर-उधर की बात करते हुए आरोप लगाया कि यह दिखावा और यह नौटंकी सरकार बंद करें जनता आपको अच्छे से जान चुकी है और पहचान चुकी है

उन्होंने कहा कि कल तक 27 मासूम बच्चों की मौत हो चुकी है और आज मोहनपुर बैगाटोला की एक 10 वर्षीय बच्ची काजल सैयाम की मृत्यु गोंदिया में हुई इनके आगमन के दिन इससे बढ़कर आंकड़ा 28 पहुंच चुका है। इतने संवेदनशील मुद्दे पर आप बालाघाट आए हैं हमारे बैगा आदिवासियों के 28 मासूम बच्चे खत्म हो चुके हैं आप बीमारी पर कोई बात नहीं कर रहे हैं सरकार आदिवासियों के प्रति कितनी गंभीर है यह आपका रवैया बता रहा है उन्होंने कहा कि हमारे 28 मासूम बैगा आदिवासी बच्चे असमय ही मृत हो गए और मुख्यमंत्री का किसी पर भी कोई कार्रवाई नहीं करना यह दर्शाता है कि या सरकार अपराधियो को हमेशा बचाती रही है।

भगवान श्रीकृष्ण मेधावी छात्रवृत्ति प्रतियोगिता 11 से

नवभारत, मंडला। भगवान श्रीकृष्ण मेधावी छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत प्रदेश के मेधावी विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्रदान करने के लिए ऑनलाइन प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। प्रतियोगिता में भारतीय ज्ञान परंपरा से जुड़ी 14 विद्याओं एवं 64 कलाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थी सहभागी बन सकेंगे। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस रानी दुर्गावती शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय मंडला के प्राचार्य डॉ. टी.पी. मिश्रा ने बताया कि श्रीकृष्ण पाथेय न्यास एवं मध्यप्रदेश शासन के संस्कृति विभाग द्वारा यह ऑनलाइन प्रतियोगिता 11 से 30 सितंबर तक आयोजित की जाएगी। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले स्कूल स्तर के 51 तथा महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय स्तर के 51, कुल 102 मेधावी विद्यार्थियों का चयन किया जाएगा।

ग्रामवासियों ने रेवाड़ा को नशामुक्त ग्राम बनाने का लिया संकल्प

गांव में शराब, गांजा सहित अन्य मादक पदार्थों की नहीं होगी बिक्री

नवभारत, नैनपुर। विकासखंड नैनपुर की ग्राम पंचायत रेवाड़ा में नशामुक्ति को लेकर सर्वदलीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में ग्राम के वरिष्ठ नागरिकों के साथ युवाओं एवं महिलाओं ने भी सक्रिय सहभागिता निभाई। बैठक में उपस्थित समस्त ग्रामवासियों ने एकमत होकर ग्राम को नशामुक्त बनाने का संकल्प लिया। निर्णय लिया गया कि गांव में शराब, गांजा सहित अन्य मादक पदार्थों के क्रय-विक्रय एवं सेवन के साथ ही सट्टा और जुआ जैसी सामाजिक बुराइयों पर पूर्णत: प्रतिबंध लगाया जाएगा।

उल्लंघन करने पर लगेगा आर्थिक दंड

ग्रामवासियों ने तय किया कि इस निर्णय का उल्लंघन करने वालों पर सामूहिक रूप से आर्थिक दंड लगाया जाएगा। साथ ही आवश्यकता पड़ने पर ऐसे लोगों का सामाजिक बहिष्कार किए जाने का भी निर्णय लिया गया। बैठक में चुनाव के दौरान शराब बांटने की प्रवृत्ति पर भी चिंता व्यक्त की गई। ग्रामीणों ने सामूहिक निर्णय लेते हुए कहा कि चुनाव में मतदाताओं को शराब बांटने वाले प्रत्याशियों का सामाजिक रूप से विरोध किया जाएगा तथा ऐसे प्रत्याशियों को मतदान के माध्यम से जवाब देने का संकल्प लिया गया।

शिकंजा | अब जांच दस्तावेजों से खुलेगा कथित नेटवर्क का सच

एथेनॉल का चावल राइस मिल तक कैसे पहुंचा? एवीजे पर एसआईटी का शिकंजा!

नवभारत, बालाघाट। एथेनॉल उत्पादन के लिए भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) से खुले बाजार बिक्री योजना के तहत खरीदे गए चावल को निर्धारित गंतव्य तक पहुंचाने के बजाय कथित तौर पर अन्य राइस मिलर्स तक पहुंचाने के मामले में जांच अब एवीजे एग्रीको, छिंदवाड़ा के संचालकों तक पहुंच गई है। एसआईटी ने कंपनी के मालिक अरुण सिंघल और उनके बेटे अभिनव सिंघल से दोबारा गहन पूछताछ की है। पुलिस ने दोनों के पासपोर्ट भी जब्त किए हैं।

मामले में लगातार सामने आ रहे दस्तावेजी और वित्तीय कनेक्शन ने जांच का दायरा बढ़ा दिया है। अब सवाल सिर्फ चावल की आवाजाही का नहीं, बल्कि खरीद से लेकर परिवहन और कथित डायवर्जन तक की पूरी श्रृंखला का है।

जानकारी के अनुसार, स्क्वॉड ने 24 अगस्त को पहली पूछताछ के बाद 27 अगस्त को अरुण सिंघल और अभिनव सिंघल को फिर तलब किया था। जांच एजेंसी ने उनसे आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध कराने को कहा था। हालांकि, उपलब्ध जानकारी के मुताबिक दोनों उस दिन मांगे गए दस्तावेज स्क्वॉड के समक्ष प्रस्तुत नहीं कर सके।

इसके बाद पुलिस द्वारा दोनों के पासपोर्ट जब्त किए जाने की जानकारी सामने आई है। आवश्यक दस्तावेजों की बरामदगी के लिए एसआईटी ने विशेष टीम भी गठित की है।

एसआईटी इससे पहले कंपनी से जुड़े बैंकिंग रिकॉर्ड, इनवॉइस, थर्ड-पार्टी इंटरनल असेसमेंट, अकाउंट्स सहित अन्य दस्तावेजी साक्ष्य बरामद कर चुकी है। ऐसे में अब जांचकर्ताओं की नजर कागजों में दर्ज लेनदेन और जमीन पर हुई चावल की वास्तविक आवाजाही के बीच संभावित अंतर पर है।

मामले की सबसे अहम कड़ी एफसीआई के बालाघाट और वारासिवनी स्थित गोदामों से चावल की वह खेप है, जिसे एथेनॉल उत्पादन के लिए छिंदवाड़ा ले जाया जाना था।

आरोप है कि ट्रकों में चावल लोड होने के बाद वह निर्धारित गंतव्य तक पहुंचने के बजाय रास्ते में अन्य राइस मिलर्स तक पहुंच गया। इसी क्रम में एक ट्रक वारासिवनी की संचेती राइस मिल परिसर में चावल से लदा हुआ मिला था।

पंचशील बुद्ध विहार में श्रावण पूर्णिमा पर कार्यक्रम आयोजित

नवभारत, बालाघाट। 28 अगस्त 2026 का दिन बूढ़ी बालाघाट स्थित पंचशील बुद्ध विहार के लिए एक अत्यंत पावन एवं स्मरणीय दिवस बनकर आया, जब रमाताई महिला बौद्ध संघ के तत्वावधान में श्रावण पूर्णिमा का महोत्सव मनाया गया। वर्षावास में साधनारत पूज्य भिक्खुनी बुद्ध कन्या थेरी जी के करुणामय सानिध्य ने इस अवसर को और भी अधिक पावन बना दिया।

प्रात: 10 बजे से विहार परिसर बुद्ध वंदना और परित्राण पाठ की मंगल ध्वनि से गूंज उठा। उपस्थित उपासक-उपासिकाओं के चित्त श्रद्धा और भावना से भर गए। ठीक 11 बजे से पूज्य भिक्खुनी जी ने अपनी अमृतवाणी में धम्मदेसना प्रदान की, जिसे सुनकर सभी उपासक भाव-विभोर हो उठे।

उन्होंने अत्यंत सरल एवं हृदयस्पर्शी शब्दों में श्रावण पूर्णिमा के महात्म्य को उजागर किया — कैसे इसी पावन तिथि पर करुणा के सागर तथागत भगवान बुद्ध ने श्रावस्ती की धरती पर क्रूरतम डाकू अंगुलिमाल के पाषाण हृदय को भी अपनी अपार करुणा से पिघला दिया और उसे धम्म के प्रकाश में दीक्षित कर एक नया जीवन प्रदान किया। यह प्रसंग सुनकर उपस्थित जनसमूह के नेत्र नम हो गए — यह सिद्ध करता है कि बुद्ध की करुणा के समक्ष कोई भी हृदय परिवर्तन असंभव नहीं।

साथ ही यह भी स्मरण कराया गया कि भगवान बुद्ध के महापरिनिर्वाण के पश्चात राजगृह में 500 अरहंत भिक्षुओं द्वारा इसी पावन तिथि पर प्रथम बौद्ध संगीति का आयोजन कर धम्म को अक्षुण्ण रखने का महान कार्य किया गया था।

इस पुण्य दिवस पर श्रद्धालु उपासकों ने बुद्ध वंदना कर, पंचशील एवं अष्टशील धारण कर तथा वर्षावासरत पूज्य भिक्खुनी को चीवर दान, संघदान एवं सामूहिक भोजन दान किया गया।